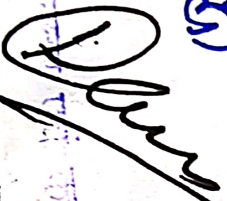


10.11.25

पुण्यम् इव । पञ्चमी ये संवत्सि शुभं वा
का निरुत्थागा दो गाने वे जाण्ड प्राण्यज अस्वदि
निषेधाणा का मोदि को विराम गभी वद जाय दी
अतः प्राण्यज अस्वदि निषेधाणा का अर्थ अतए
पर खासिज क्रिया अतः ही पञ्चमी मे मन
सुमार दिन गच्छ के नाम ही व दानिज
करे को



श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः